भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
(विदेशी ऋण प्रबंधन एकक)

प्रेस विज्ञप्ति

विषय : सितम्बर 2016 के अंत में भारत का विदेशी ऋण ।

वित्त मंत्रालय का आर्थिक कार्य विभाग प्रत्येक वर्ष सितंबर और दिसंबर को समाप्त तिमाहियों के लिए भारत के विदेशी ऋण के त्रैमासिक आंकड़ों को संकलित और जारी करता है । यह प्रेस विज्ञप्ति सितम्बर 2016 के अंत में भारत के विदेशी ऋण से संबंधित है ।

(i) सितम्बर 2016 के अंत में भारत का विदेशी ऋण स्टॉक 484.3 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर पर था। इसमें मार्च 2016 के अंत के स्तर की तुलना में 0.8 बिलियन अमरीकी डॉलर (0.2 प्रतिशत) की कमी देखी गई । इस अवधि के दौरान विदेशी ऋण में कमी वाणिज्यिक उधारों और अल्पावधिक विदेशी ऋण के कारण हुई है। तथापि, आनुक्रमिक आधार पर, जून अंत 2016 के स्तर की तुलना में सितम्बर अंत 2016 में कुल विदेशी ऋण में 4,768 मिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि हुई है।

(ii) भारत के विदेशी ऋण का परिपक्कवता पैटर्न दीर्घावधिक उधार की प्रमुखता को सूचित करता है। सितम्बर 2016 के अंत में, दीर्घावधिक विदेशी ऋण भारत के कुल विदेशी ऋण का 83.2 प्रतिशत था जबकि शेष (16.8 प्रतिशत) अल्पावधिक विदेशी ऋण था।

(iii) सितम्बर अंत 2016 में दीर्घावधिक ऋण 403.1 बिलियन अमरीकी डॉलर था जो जो मार्चांत 2016 के स्तर की तुलना में 1.4 बिलियन अमरीकी डॉलर की वृद्धि (0.4 प्रतिशत की वृद्धि) सूचित करता है। सितम्बर अंत 2016 में अल्पावधिक विदेशी ऋण में 2.6 प्रतिशत की कमी हुई और यह 81.2 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया।

(iv) मूल्यन हानि (भारतीय रुपये तथा अधिकांश अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमरीकी डॉलर का अवमूल्यन) 1.0 बिलियन अमरीकी डॉलर था। इसका अर्थ यह है कि यदि मूल्यन प्रभाव को छोड़ दिया जाए तो मार्चांत 2016 के स्तर की तुलना में सितम्बर अंत 2016 में ऋण की राशि में 1.8 बिलियन अमरीकी डॉलर अधिक की कमी होती है।

(v) सितम्बर 2016 के अंत में कुल विदेशी ऋण में सरकारी (सॉवरन) और गैर-सरकारी ऋण की हिस्सेदारी क्रमश: 20.1 प्रतिशत और 79.9 प्रतिशत थी।

(vi) सितम्बर अंत 2016 में भारत के कुल विदेशी ऋण स्टॉक में अमरीकी डॉलर में मूल्यवर्गित ऋण का हिस्सा 55.6 प्रतिशत पर सर्वाधिक बना रहा जिसके बाद भारतीय रुपया (30.1 प्रतिशत), एसडीआर (5.8 प्रतिशत), जापानी येन (4.8 प्रतिशत), पाउंड स्टर्लिंग (0.7 प्रतिशत), यूरो (2.4 प्रतिशत) तथा अन्य (0.6 प्रतिशत) का स्थान आता है।

....2/-

(vii) सितम्बर अंत 2016 में विदेशी मुद्रा भंडार में मूल परिपक्वता से अल्पावधिक विदेशी ऋण का अनुपात 21.8 प्रतिशत था जो जून 2016 के अंत के 22.6 प्रतिशत तथा मार्चांत 2016 के 23.1 प्रतिशत की तुलना में कम था।

(viii) सितम्बर अंत 2016 में अवशिष्ट परिपक्वता आधार पर अल्पावधिक ऋण कुल विदेशी ऋण का 42.0 प्रतिशत था (जून अंत 2016 में 42.4 प्रतिशत तथा मार्चांत 2016 में 42.6 प्रतिशत) तथा कुल विदेशी मुद्रा भंडार का 54.7 प्रतिशत था (जून अंत 2016 में 55.9 प्रतिशत और मार्चांत 2016 में 57.4 प्रतिशत)।

(ix) सितम्बर अंत 2016 में कुल विदेशी ऋण में रियायती ऋण का अनुपात 9.4 प्रतिशत था जो जून अंत 2016 में भी इसी स्तर पर था एवं मार्चांत 2016 के 9.0 प्रतिशत की तुलना में इसमें मामूली वृद्धि हुई है।

सितम्बर अंत 2016 में भारत के विदेशी ऋण की संपूर्ण त्रैमासिक रिपोर्ट वित्त मंत्रालय की वेबसाइट www.finmin.nic.in पर उपलब्ध है ।

फा.सं. 1(17)/2016- इडीएमयू दिनांक : 30 दिसंबर 2016

पत्र सूचना कार्यालय से उपर्युक्त को जारी करने का अनुरोध किया जाता है ।

डॉ. आशुतोष राराविकर
निदेशक

श्री डी एस मलिक
अपर महानिदेशक (एमएंडसी)
जन सूचना अधिकारी
वित्त मंत्रालय, नॉर्थ ब्लॉक